स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

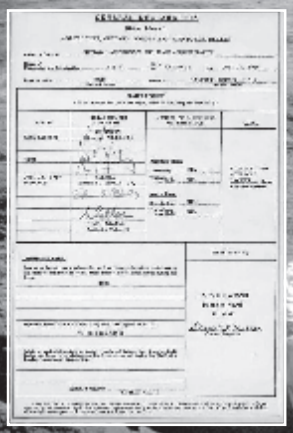

चांद यात्रा का अनोखा यात्रा वाउचर

चांद पर कदम रखने वाले सबसे पहले व्यक्ति थे नील आर्मस्ट्रॉग। उनके पीछे-पीछे चांद पर कदम रखने वाले दूसरे व्यक्ति बज़ एलड्रिन थे जिनका मूल नाम एडविन यूजीन एलड्रिन जूनियर था। 85 वर्ष की उम्र के एलड्रिन ने हाल ही में अपनी चांद यात्रा का यात्रा वाउचर और कस्टम फार्म जारी किया है।

20 जुलाई 1969 को अपोलो 11 मिशन की शुरूआत हुई थी। इस मिशन के अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग, बज़ एलड्रिन और माइकेल कोलिंस थे। एलड्रिन ने बताया कि उन्होंने ह्यूस्टन से चांद पर जाने और लौटने की अपनी यात्रा के लिए 33.31 डॉलर का दावा किया था। इस यात्रा वाउचर में उन्होंने बताया है कि चांद की यात्रा सरकारी स्पेस क्राफ्ट में की गई थी और इस दौरान इस्तेमाल किए गए एयरक्रॉफ्ट और ऑटोमोबाइल्स की पूरी जानकारी भरी थी। उन्होंने यह भी बताया था कि भोजन का प्रबंध सरकार द्वारा किया गया था।

इसके अलावा, उन्हें चांद से लाई गई चीज़ों की घोषणा भी करनी पड़ी थी जैसे कोई भी व्यक्ति विदेश यात्रा से लौटने पर करता है। इन चीज़ों में चांद की चट्टानें, वहां की धूल-मिट्टी आदि का उल्लेख कस्टम फार्म में करना पड़ा था। दिनांक 24 जुलाई 1969 के इस कस्टम फार्म पर नील आर्मस्ट्रांग के हस्ताक्षर भी हैं।

इस फार्म के अनुसार कोई भी यात्री किसी भी प्रकार की बीमारी से संक्रमित नहीं था। एलड्रिन के अनुसार चांद की धूल से बचने के लिए इन अंतरिक्ष यात्रियों ने विशेष कपड़े पहने थे। चांद से लौटकर आने के बाद इन कपड़ों से धूल पोंछने के लिए इस्तेमाल किए गए कपड़ों को समुद्र में फेंक दिया गया था।

प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द सरदाना की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी